1. "जिस कवि में कल्पना की समाहार शक्ति के साथ भाषा की समाहार शक्ति जितनी अधिक होगी उतनी ही वह मुक्तक की रचना में सफल होगा। यह क्षमता बिहारी में पूर्ण रूप से वर्तमान थी।" उपर्युक्त कथन किसका है ?

(1) आचार्य श्यामसुंदर दास

(2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(3) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) डॉ. नगेन्द्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. 'बिहारी-सतसई' पर संस्कृत के किस मुक्तक काव्य का प्रभाव स्पष्टतः लक्षित नहीं होता है ?

(1) अमरुकशतक (2) गाथा सप्तशती

(3) आर्या सप्तशती (4) वैराग्यशतक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. 'काव्य विवेक' और 'कविकुलकल्पतरु' ग्रन्थों के रचयिता हैं –

(1) चिंतामणि (2) मतिराम

(3) पद्माकर (4) देव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. आचार्य शुक्ल के मतानुसार भूषण को 'कविभूषण' उपाधि किसने दी थी ?

(1) छत्रसाल ने

(2) छत्रपति शिवाजी ने

(3) जसवंत सिंह ने

(4) सोलंकी राजा रुद्र ने

(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. "स्वच्छन्द धारा का साध्य काव्य था और साधन भी काव्य ही था। पर इस धारा के कवियों ने साधन की अपेक्षा साध्य पर अधिक ध्यान दिया।" रीतिमुक्त कविता के बारे में यह कथन किसका है ?

(1) रामचंद्र शुक्ल

(2) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

(3) गणपतिचंद्र गुप्त

(4) नगेन्द्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. रीतिमुक्त काव्यधारा में प्रेम पद्धति का निरूपण करने वाले स्वच्छंद प्रेमोन्नत कवि के रूप में कौन सम्मिलित नहीं है ?

(1) आलम (2) बोधा

(3) ठाकुर (4) सूदन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. "रीतिसिद्ध कवि लक्षण ग्रंथ लिखने वाले रीतिबद्ध कवियों की भाँति रीति की शास्त्रकथित बातों का पूरा पालन नहीं करते थे।" रीतिसिद्ध कवियों के बारे में यह कथन किसका है ?

(1) भागीरथ मिश्र

(2) मनमोहन गौतम

(3) रामचंद्र शुक्ल

(4) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. 'विरह-वागीश' किस रीतिमुक्त कवि द्वारा रचित ग्रन्थ है ?

(1) ठाकुर (2) बोधा

(3) आलम (4) घनानंद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र की केशव विषयक आलोचना के आलोक में असंगत कथन है ____

(1) केशव ने ब्रजभाषा के अन्तर्गत मुक्तक काव्य के साथ प्रबंध काव्य की रचना का भी सूत्रपात किया ।

(2) केशव ने सर्वगुण सम्पन्न अलंकार रहित कविता को भी उसी प्रकार शोभाहीन माना है जिस प्रकार सर्वगुण सम्पन्न आभूषण रहित नारी ।

(3) चरित्र-चित्रण और भाषा-शैली की दृष्टि से 'रामचंद्रिका' अपने आप में अव्यवस्थित ही है ।

(4) आचार्यत्व की दृष्टि से केशव का गौरवपूर्ण स्थान है, पर कवित्व की दृष्टि से वे अत्यन्त साधारण कवि ही हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. मतिराम के बारे में असंगत कथन है

(1) 'ललित ललाम' में शब्दालंकारों का वर्णन है ।

(2) 'बिहारी सतसई' की प्रसिद्धि से प्रेरित होकर कवि ने 'मतिराम सतसई' लिखी ।

(3) 'मतिराम सतसई' में 'रसराज' और 'ललित ललाम' में आए हुए बहुत से दोहे संगृहीत कर लिए गए हैं ।

(4) 'रसराज' शृंगार रस का ग्रंथ है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. भिखारीदास विषयक आचार्य शुक्ल की आलोचना के आलोक में कौन सा कथन असंगत है ?

(1) काव्यांगों के निरूपण में दासजी को सर्वप्रधान स्थान दिया जाता है ।

(2) दासजी को सच्चे आचार्य का पूरा रूप प्राप्त नहीं हो सका है ।

(3) दास ने देव की तरह शृंगार का वर्णन विस्तार से किया है ।

(4) भिखारीदास का सक्रियता-काल विक्रम की अठारहवीं सदी का पूर्वार्ध है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. "शिवाजी और छत्रसाल की वीरता के वर्णनों को कोई कवियों की झूठी खुशामद नहीं कह सकता । वे आश्रयदाताओं की प्रशंसा की प्रथा के अनुसरण मात्र नहीं हैं । इन दोनों वीरों का जिस उत्साह के साथ सारी हिन्दू जनता स्मरण करती है, उसी की व्यंजना भूषण ने की है ।" भूषण का विश्लेषण करते हुए यह कथन किसका है ?

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

(3) रामचंद्र शुक्ल

(4) रामस्वरूप चतुर्वेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. रीतिकालीन कवि देव का कौन सा ग्रन्थ मुख्यत: अध्यात्म संबंधी ग्रन्थ है ?

(1) प्रेमचंद्रिका

(2) रागरत्नाकर

(3) देवशतक

(4) भावविलास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. सेनापति के विषय में असंगत है

(1) 'कवित्त रत्नाकर' इनकी प्रौढ़ कृति है ।

(2) इनकी मौलिकता का उदाहरण इनका ऋतु वर्णन है ।

(3) ब्रजभाषा के प्रचलित साहित्यिक तथा मौखिक रूपों से इनका घनिष्ठ परिचय था ।

(4) सेनापति प्रधानतया कृष्णभक्त थे ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. "उन्होंने यद्यपि लक्षण ग्रन्थ के रूप में अपनी सतसई नहीं लिखी है, पर 'नखशिख', 'नायिकाभेद', 'षट्ऋतुवर्णन' के अन्तर्गत उनके सब श्रृंगारी दोहे आ जाते हैं ।"

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का यह मत किस कवि के संबंध में है ?

(1) बिहारी (2) वृन्द

(3) रसनिधि (4) मतिराम

(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. पद्माकर के बारे में असंगत कथन है

(1) 'जगद्विनोद' अलंकार विवेचन संबंधी ग्रंथ है ।

(2) उदयपुर के महाराणा भीमसिंह की आज्ञा से पद्माकर ने 'गणगौर' मेले का वर्णन किया ।

(3) पद्माकर रीतिशास्त्र के ज्ञाता होने के साथ-साथ श्रृंगार, भक्ति तथा वीर रस के कवि हैं ।

(4) पद्माकर ने 'वाल्मीकि-रामायण' के आधार पर 'राम रसायन' चरित काव्य की रचना की ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. आधुनिककाल के साहित्य में सांस्कृतिक-सामाजिक चेतना को विकसित करने वाली संस्थाओं और उनके ऐतिहासिक तथ्यों में सुमेलित नहीं है

(1) प्रार्थना समाज – प्रमुख उन्नायक महादेव गोविन्द रानाडे

(2) आर्य समाज – दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज

(3) थियोसोफिकल सोसायटी – प्रथम शाखा केरल-एर्नाकुलम

(4) ब्रह्म समाज – जाति-प्रथा का विरोध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. "आलम रीतिबद्ध रचना करने वाले कवि नहीं थे । ये प्रेमोन्मत्त कवि थे और अपनी तरंग के अनुसार रचना करते थे । इसी से इनकी रचनाओं में हृदय-तत्त्व की प्रधानता है ।"

यह कथन किसका है ?

(1) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

(2) रामस्वरूप चतुर्वेदी

(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) रामचंद्र शुक्ल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. 'नेही महा ब्रज भाषा-प्रबीन' तथा 'भाषा प्रबीन' कहकर ब्रजनाथ ने किस रीति कवि की प्रशस्ति की है ?

(1) घनानंद (2) आलम

(3) बोधा (4) बिहारी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. हिन्दी नवजागरण के संबंध में निम्न कथन किसका है ?

"भारतेन्दु हरिश्चंद्र से जो नवजागरण शुरू होता है वह नयी परिस्थितियों में पुराने लोक जागरण का ही विकास है ।"

(1) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी
(2) डॉ. रामविलास शर्मा
(3) डॉ. नामवर सिंह
(4) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. निम्नलिखित में से किस आलोचक ने भारतेंदु हरिश्चन्द्र को 'नवजागरण का वैतालिक' कहा है ?

(1) महावीरप्रसाद द्विवेदी
(2) रामविलास शर्मा
(3) नामवर सिंह
(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने स्वदेशी के व्यवहार के लिए प्रतिज्ञा–पत्र किस पत्रिका में प्रकाशित किया ?

(1) हरिश्चन्द्र मैगजीन (2) हरिश्चन्द्र चन्द्रिका
(3) बालाबोधिनी (4) कवि वचन सुधा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. निम्नलिखित पंक्तियाँ किस कवि की हैं ?

"अंग्रेज राज सुख साज सजे सब भारी
पै धन विदेस चलि जात इहै अति ख्वारी ।"

(1) बालमुकुंद गुप्त (2) भारतेन्दु
(3) प्रतापनारायण मिश्र (4) बालकृष्ण भट्ट
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. निम्नलिखित में से भारतेन्दु–मण्डल के लेखक नहीं हैं :

(1) राधाकृष्ण दास
(2) कार्तिकप्रसाद खत्री
(3) दामोदर शास्त्री सप्रे
(4) जगदम्बाप्रसाद मिश्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. रामविलास शर्मा ने हिन्दी नवजागरण की दूसरी मंजिल माना है

(1) भक्ति आन्दोलन
(2) भारतेन्दु युग
(3) द्विवेदी युग
(4) शंकराचार्य का सांस्कृतिक अभियान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. डॉ. रामविलास शर्मा के 1857 ई. के स्वाधीनता संग्राम विषयक विचारों की दृष्टि से बेमेल है –

(1) 1857 का संग्राम हमारा जातीय संग्राम है और वह भारत का राष्ट्रीय संग्राम भी है । उसका असर सारे देश पर हुआ, हिंदी भाषी प्रदेश पर सबसे ज्यादा हुआ ।
(2) अंग्रेजों ने यहाँ की सामंती प्रथा में जो परिवर्तन किया, वह पुरानी उत्पादन पद्धति को बढ़ाने वाला था ।
(3) इस संग्राम की छठी विशेषता यह है कि यह संग्राम हिंदी भाषी प्रदेश में चलाया गया ।
(4) भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में स्वदेशी वस्तुओं के व्यवहार और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. किस कवि का उपनाम 'एक भारतीय आत्मा' है ?

(1) माखनलाल चतुर्वेदी

(2) भगवतीचरण वर्मा

(3) सियारामशरण गुप्त

(4) बालकृष्ण शर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. निम्नलिखित में से राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्य-धारा की सामान्य विशेषता नहीं है :

(1) विदेशी शासन से मुक्ति पाने की प्रेरणा दी ।

(2) कवियों ने स्वयं देश के स्वाधीनता संग्राम में भाग नहीं लिया ।

(3) कवियों की देश प्रेम की कविताओं में अनुभूति की सच्चाई है ।

(4) कवियों ने भारत की आंतरिक विसंगतियों को दूर करने का आह्वान किया ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. 'विजयिनी विजय वैजयंती' किसकी रचना है ?

(1) प्रेमघन (2) भारतेन्दु

(3) राधाकृष्ण दास (4) प्रतापनारायण मिश्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. 'सुकवि सतसई' किसकी कृति है ?

(1) अंबिकादत्त व्यास

(2) ठाकुर जगन्मोहन सिंह

(3) राधाचरण गोस्वामी

(4) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. 'पल्लव' की भूमिका में सुमित्रानंदन पंत द्वारा निम्न में से कौन सी काव्य की विशेषता वर्णित नहीं है ?

(1) भाषा संसार का नादमय चित्र है, ध्वनिमय स्वरूप है ।

(2) कविता हमारे परिपूर्ण क्षणों की वाणी है ।

(3) अलंकार केवल वाणी की सजावट के लिए हैं ।

(4) कविता के लिए चित्रभाषा की आवश्यकता पड़ती है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. निम्नलिखित में से सुभद्रा कुमारी चौहान का कविता-संकलन है :

(1) दूर्वादल

(2) मुकुल

(3) क्राशि

(4) मधुकण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. रामधारी सिंह 'दिनकर' के विषय में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प असंगत है ?

(1) 'रेणुका', 'हुंकार' और 'रसवन्ती' उनकी आरंभिक रचनाएँ हैं ।

(2) 'उर्वशी' प्रबन्ध काव्य के पश्चात् उन्होंने 'कुरुक्षेत्र' की रचना की ।

(3) 'कुरुक्षेत्र' में युद्ध और शांति के विषय पर विचार किया गया है ।

(4) दिनकर मूलतः सामाजिक चेतना के कवि हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. आलोचक रामस्वरूप चतुर्वेदी के अनुसार 'कामायनी' के संबंध में बेमेल कथन है ।

(1) इसमें मनुष्य का उत्तरोत्तर जटिल और संघटित होता रूप है ।

(2) नये मान-मूल्यों के आधार पर विकसित मानवीय संस्कृति देव संस्कृति की तुलना में हीन है ।

(3) मृत्यु पर विजय पाने के लिए मनुष्य प्रेम की क्षमता विकसित करता है ।

(4) इसमें मानव संस्कृति के विकास का आख्यान है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. छायावाद की अग्रलिखित परिभाषा किस रचनाकार ने दी है ?

"मानव अथवा प्रकृति के सूक्ष्म किन्तु व्यक्त सौन्दर्य में आध्यात्मिक छाया का भाव मेरे विचार से छायावाद की सर्वमान्य व्याख्या हो सकती है ।"

(1) रामविलास शर्मा

(2) सुमित्रानंदन पंत

(3) नंददुलारे वाजपेयी

(4) डॉ. देवराज

(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. छायावादी कवियों में से किस रचनाकार को सर्वाधिक रहस्यावादी रचनाकार माना जाता है ?

(1) जयशंकर प्रसाद

(2) सुमित्रानंदन पंत

(3) महादेवी वर्मा

(4) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. 'मुक्तिबोध की कविता, अद्भुत संकेतों-भरी, जिज्ञासाओं से अस्थिर-कभी दूर से ही शोर मचाती, कभी कानों में चुपचाप राज की बातें कहती चलती हैं ।' – कथन किसका है ?

(1) प्रभाकर माचवे

(2) शमशेर बहादुर सिंह

(3) नामवर सिंह

(4) श्रीकांत वर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. रचनाकाल के आधार पर केदारनाथ अग्रवाल की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) युग की गंगा, आग का आईना, फूल नहीं रंग बोलते हैं

(2) युग की गंगा, नींद के बादल, लोक और आलोक

(3) आग का आईना, युग की गंगा, फूल नहीं रंग बोलते हैं

(4) नींद के बादल, युग की गंगा, फूल नहीं रंग बोलते हैं

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. कवि नागार्जुन के विषय में निम्नलिखित में से असंगत विकल्प है :

(1) इनका असली नाम वैद्यनाथ मिश्र है ।

(2) 'युगवाणी' इनका प्रारम्भिक काव्य संकलन है ।

(3) आधुनिक हिन्दी कविता में शिष्ट-गम्भीर-हास्य तथा चुटीले व्यंग्य की दृष्टि से भी इनकी पहचान है ।

(4) 'सतरंगे पंखों वाली' इनका कविता संग्रह है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. अज्ञेय द्वारा सप्तक के कवियों को 'राही नहीं, राहों के अन्वेषी' कौन से सप्तक में कहा गया है ?

(1) दूसरा सप्तक (2) तीसरा सप्तक

(3) चौथा सप्तक (4) तार सप्तक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. अज्ञेय की प्रसिद्ध कविता 'असाध्यवीणा' उनके किस संकलन में है ?

(1) बावरा अहेरी

(2) इन्द्रधनुष रौंदे हुए ये

(3) आँगन के पार द्वार

(4) हरी घास पर क्षण भर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प कवि एवं रचना के अनुसार बेमेल है ?

(1) नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है

(2) शमशेर बहादुर सिंह – चुका भी नहीं हूँ मैं

(3) मुक्तिबोध – ब्रह्मराक्षस

(4) केदारनाथ अग्रवाल – सिंदूर तिलकित भाल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. धर्मवीर भारती की रचनाओं का संगत विकल्प है

(1) धर्मयुग (संपादन), सातगीत वर्ष, कनुप्रिया

(2) अंधायुग-सन्नाटा, कनुप्रिया

(3) ठंडा लोहा, कनुप्रिया, अंधायुग

(4) अंधायुग, कनुप्रिया, सातगीत वर्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. अरुण कमल की रचना नहीं है

(1) नये इलाके में

(2) दुनिया रोज़ बनती है

(3) अपनी केवल धार

(4) सबूत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. रचना और रचनाकार की दृष्टि से सुमेलित नहीं है –

(1) कविता में औरत – अनामिका

(2) टोकरी में दिगन्त – प्रभा खेतान

(3) दूसरे दिन – इंदु जैन

(4) सातभाइयों के बीच चंपा – कात्यायनी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. निम्नलिखित में से आलोक धन्वा का कविता-संकलन है :

(1) नागरिक समाज (2) शांति पर्व

(3) पडिक्कमा (4) मुलाकातें

(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. 'शम्बूक' काव्य-कृति किसकी है ?

(1) मुक्तिबोध (2) नरेश मेहता

(3) जगदीश गुप्त (4) श्रीकांत वर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. 'नाटक जारी है' किस कवि का प्रथम काव्य-संग्रह है ?

(1) अरुण कमल (2) आलोक धन्वा

(3) लीलाधर जगूड़ी (4) अशोक वाजपेयी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की परंपरा का प्रवर्तन आचार्य शुक्ल के अनुसार किस विधा से माना जाता है ?

(1) उपन्यास (2) निबंध

(3) कहानी (4) नाटक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने स्त्री शिक्षा के लिए कौन सी पत्रिका निकाली थी ?

(1) कवि वचन सुधा

(2) हरिश्चन्द्र मैगज़ीन

(3) हरिश्चन्द्र चन्द्रिका

(4) बालाबोधिनी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. हिन्दी गद्य के विकास में 'अध्यात्म रामायण' से अनूदित कृति 'रामचरित्र' की विशेष भूमिका रही। 'रामचरित्र के रचनाकार हैं' –

(1) सदल मिश्र

(2) गंगाप्रसाद शुक्ल

(3) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(4) लल्लू लाल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. 'वर्तमान हिन्दी गद्य के प्रवर्तक' की मान्यता आचार्य शुक्ल ने किस लेखक को दी है ?

(1) नवीनचंद्र राय

(2) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(3) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(4) राजा लक्ष्मण सिंह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. महावीरप्रसाद द्विवेदी के निर्देशन में 'सरस्वती' के सहायक संपादक के रूप में साहित्यिक जीवन आरंभ करने वाले हैं –

(1) डॉ. बेनीप्रसाद

(2) रामप्रसाद त्रिपाठी

(3) यज्ञदत्त शुक्ल

(4) गणेशशंकर विद्यार्थी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. सुमेलित कर सही उत्तर की पहचान कीजिए :

(i)	हिन्दोस्थान	क.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(ii)	भारतेन्दु	ख.	तोताराम
(iii)	आनंद-कादंबिनी	ग.	राधाचरण गोस्वामी
(iv)	भारतबन्धु	घ.	राजा रामपाल सिंह

	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(1)	ख	ग	घ	क
(2)	क	घ	ख	ग
(3)	घ	ग	क	ख
(4)	घ	ग	ख	क

(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. अजमेर से प्रकाशित होने वाली भारतेन्दुयुगीन पत्रिका है

(1) आर्यदर्पण (2) भारतबंधु

(3) सदादर्श (4) देशहितैषी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. रांगेय राघव का निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास प्रागैतिहासिक सभ्यता पर आधारित है ?

(1) विषादमठ

(2) मुर्दों का टीला

(3) कब तक पुकारूँ

(4) घरौंदे

(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. सरस्वती-पत्रिका के संबंध में असंगत कथन है

(1) यह प्राचीन परम्पराओं का ही अनुसरण करने वाली पत्रिका थी ।

(2) यह हिन्दी-भाषी जनता की सर्वमान्य जातीय पत्रिका थी ।

(3) ज्ञान की पत्रिका होने के अलावा वह कलात्मक साहित्य की पत्रिका थी ।

(4) यह पत्रिका हिन्दी नवजागरण का मुख पत्र थी ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. डॉ. रामचंद्र तिवारी ने महावीरप्रसाद द्विवेदी के निबंधों को शैली की दृष्टि से प्रमुखतः जिन कोटियों में माना है, उसका सही विकल्प है –

(1) भावात्मक, विचारात्मक, मनोविश्लेषणात्मक

(2) विवरणात्मक, वर्णनात्मक, भावात्मक

(3) विचारात्मक, वर्णनात्मक, मनोविश्लेषणात्मक

(4) वर्णनात्मक, भावात्मक, विचारात्मक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. उपन्यासकार और उपन्यास के प्रकार की दृष्टि से बेमेल है

(1) चतुरसेन शास्त्री – ऐतिहासिक

(2) श्रीकांत वर्मा – आंचलिक

(3) प्रेमचंद – आदर्शोन्मुख यथार्थवादी

(4) इलाचन्द्र जोशी – मनोविश्लेषणवादी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. नई कहानी आंदोलन के कहानीकारों और कहानी संग्रहों का असंगत विकल्प है

(1) राजेंद्र यादव – अभिमन्यु की आत्महत्या

(2) कमलेश्वर – राजा निरबंसिया

(3) निर्मल वर्मा – बादलों के घेरे

(4) मोहन राकेश – इंसान के खंडहर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास महिला उपन्यासकार द्वारा नहीं लिखा गया ?

(1) मित्रो मरजानी

(2) कठगुलाब

(3) दीवार में एक खिड़की रहती थी

(4) तालाबंदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. निम्नलिखित में से यशपाल का कौन सा उपन्यास स्वतन्त्रता प्राप्ति के पूर्व प्रकाशित हुआ ?

(1) झूठा सच (2) मनुष्य के रूप

(3) अमिता (4) देशद्रोही

(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. निम्नलिखित ऐतिहासिक नाटकों में से रचनाकार की दृष्टि से सुमेलित नहीं है :

(1) महाराणा प्रताप – प्रतापनारायण मिश्र

(2) नीलदेवी – भारतेन्दु

(3) अमरसिंह राठौर – राधाचरण गोस्वामी

(4) संयोगिता-स्वयंवर – श्रीनिवासदास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. निम्नलिखित में से कौन सी कहानी प्रेमचंद रचित नहीं है ?

(1) घासवाली

(2) आत्म-संगीत

(3) रक्षाबन्धन

(4) सांसारिक प्रेम और देशप्रेम

(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. कहानी आन्दोलनों से जुड़े कहानीकारों की दृष्टि से बेमेल विकल्प है

(1) अकहानी – गंगाप्रसाद विमल, रवीन्द्र कालिया, ज्ञानरंजन

(2) समांतर कहानी – दूधनाथ सिंह, श्रीकान्त वर्मा, विजयमोहन सिंह

(3) सक्रिय कहानी – राकेश वत्स, धूमकेतु, चित्रा मुद्गल

(4) सचेतन कहानी – महीपसिंह, हिमांशु जोशी, ममता कालिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. निम्नलिखित में से ललित निबंध संग्रह नहीं है :

(1) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

(2) बकलम खुद

(3) रस आखेटक

(4) अशोक के फूल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का सैद्धांतिक समीक्षा संबंधी निबंध नहीं है

(1) काव्य में रहस्यवाद (2) साधारणीकरण

(3) लोभ और प्रीति (4) कविता क्या है ?

(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. निम्नलिखित में से हिन्दी के मनोवैज्ञानिक आलोचक नहीं है :

(1) शान्तिप्रिय द्विवेदी (2) इलाचन्द्र जोशी

(3) अज्ञेय (4) देवराज उपाध्याय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. निम्नलिखित में से लक्ष्मीनारायण लाल का नाटक नहीं है :

(1) रक्तकमल (2) अंधाकुआँ

(3) सेतुबंध (4) कलंकी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. भारतेंदु हरिश्चंद्र कृत कौन सा नाटक अनूदित नहीं है ?

(1) भारत-जननी (2) नीलदेवी

(3) पाखंड-विडंबन (4) विद्यासुंदर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. निम्नलिखित में से कौन सी संस्मरण विधा की रचना है ?

(1) अरे यायावर रहेगा याद

(2) कलम का सिपाही

(3) सिंहावलोकन

(4) आँगन के वंदनवार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. संस्मरण व रेखाचित्र और उनके रचनाकार का सही विकल्प है

(1) मिट्टी के पुतले – प्रकाशचन्द्र गुप्त

(2) एक युग: एक प्रतीक – बनारसीदास चतुर्वेदी

(3) वे दिन वे लोग – देवेन्द्र सत्यार्थी

(4) माटी की मूरतें – शिवपूजन सहाय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. 'व्योमकेश दरवेश' किस विधा की रचना है ?

(1) संस्मरण (2) जीवनी

(3) आत्मकथा (4) रेखाचित्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. निम्नलिखित में से कौन सी आत्मकथा नहीं है ?

(1) एक कहानी यह भी

(2) पिंजरे की मैना

(3) बाणभट्ट की आत्मकथा

(4) अर्द्ध कथानक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. हिन्दी का हास्य व्यंग्य प्रधान पत्र था

(1) जागरण (2) भारत

(3) कर्मवीर (4) मतवाला

(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. सामग्री वैशिष्ट्य की दृष्टि से हिंदी शोध-पत्रिकाओं में शामिल नहीं है –

(1) सारिका

(2) नागरी प्रचारिणी पत्रिका

(3) सम्मेलन पत्रिका

(4) हिंदी अनुशीलन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. निम्नलिखित यात्रा-वृत्तांतों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(i)	पैरों में पंख बाँधकर	(क) सेठ गोविंद दास
(ii)	पृथ्वी परिक्रमा	(ख) निर्मल वर्मा
(iii)	चीड़ों पर चाँदनी	(ग) रामवृक्ष बेनीपुरी
(iv)	लोहे की दीवार के दोनों ओर	(घ) यशपाल

	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(1)	(ग)	(ख)	(क)	(घ)
(2)	(ग)	(क)	(ख)	(घ)
(3)	(ख)	(क)	(ग)	(घ)
(4)	(ख)	(घ)	(ग)	(क)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. हिन्दी-पत्रिका एवं उससे संबद्ध स्थान का सही विकल्प है

(1) साक्षात्कार – दिल्ली

(2) मधुमती – जयपुर

(3) नाट्यवार्ता – कलकत्ता

(4) बहुवचन – भोपाल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. (अ) 'इस्तवार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी' नामक ग्रंथ में हिन्दी और उर्दू के अनेक कवियों और लेखकों की जीवनियाँ, ग्रंथ-विवरण और उद्धरण हैं।

(ब) इसका पहला भाग 1839 तथा दूसरा भाग 1849 में प्रकाशित हुआ था।

उपर्युक्त कथनों के आधार पर उत्तर दीजिए।

(1) (अ) और (ब) दोनों गलत।

(2) (अ) गलत और (ब) सही।

(3) (अ) सही और (ब) गलत।

(4) (अ) और (ब) दोनों सही।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

(1) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – गणपति चन्द्र गुप्त

(2) हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी

(3) हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(4) उत्तरी भारत की सन्त परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने निम्न में से किस इतिहास ग्रन्थ को 'कविवृत्तसंग्रह' कहकर संबोधित किया,

(1) हिन्दी साहित्य की भूमिका

(2) हिन्दी शब्दसागर

(3) हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास

(4) मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ नॉर्दन हिन्दुस्तान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने रीतिकाल हेतु रस के विचार से एक अन्य नामकरण प्रस्तावित किया था, वह क्या था ?

(1) अलंकृत काल (2) शृंगार काल

(3) वीर काल (4) अलंकार काल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. डॉ. नगेन्द्र के अनुसार हिंदी साहित्य के इतिहास के कालविभाजन के लिए जिन पद्धतियों का मुख्यतः अवलम्ब लिया गया उनमें कौन सी पद्धति सम्मिलित नहीं है ?

(1) क्रम के अनुसार केवल तीन युगों की कल्पना

(2) साहित्य का विभाजन विधा क्रम से न करते हुए विषयगत विभाजन

(3) शुद्ध कालक्रम अनुसार वस्तुगत विभाजन को ही अधिक यथार्थ मानने की पद्धति

(4) सम्पूर्ण इतिहास का विभाजन चार युगों अथवा कालखण्डों में करना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. इतिहासकार 'गार्सा द तासी' द्वारा लिखित हिंदी साहित्य का इतिहास ग्रंथ मूलतः किस भाषा में लिखा गया था ?

(1) जर्मन (2) डच

(3) फ्रेंच (4) अंग्रेजी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. राहुल सांकृत्यायन ने हिंदी साहित्य के प्रारम्भिक काल के लिए क्या नाम सुझाया है ?

(1) अपभ्रंश काल (2) बीजवपन काल

(3) सिद्ध सामन्त काल (4) वीरगाथा काल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. निम्नलिखित में से राजस्थानी भाषा और साहित्य पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

(1) अगरचंद नाहरा

(2) सीताराम लालस

(3) एल.पी. तेस्सितोरी

(4) मोतीलाल मेनारिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'चौरासी सिद्धों' का संबंध किनसे माना है ?

(1) बौद्ध धर्माचार्यों से

(2) बौद्ध तांत्रिकों से

(3) जैन ग्रन्थकारों से

(4) अपभ्रंश के कवियों से

(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा द्वारा संपादित इतिहास ग्रंथ 'हिन्दी साहित्य' में निम्नलिखित में से कौन सा काल विभाजन स्वीकार किया गया है ?

(1) चारणकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल

(2) आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल

(3) आदिकाल, भक्तिकाल, आधुनिक काल

(4) प्रारम्भिक काल, मध्यकाल, आधुनिक काल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. 'हिन्दी नवलेखन' और 'हिन्दी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ' इन साहित्येतिहास ग्रन्थों के रचनाकार कौन हैं ?

(1) डॉ. नगेन्द्र

(2) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) डॉ. नामवर सिंह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. 'नाथ-पन्थ या माथ-सम्प्रदाय के लिए सिद्धमत, सिद्धमार्ग, योग-मार्ग, योग-सम्प्रदाय, अवधूत मत एवं अवधूत सम्प्रदाय नाम भी प्रसिद्ध हैं।'

नाथ-संप्रदाय की नाम-ख्याति की ओर ध्यान आकृष्ट करने वाला उपर्युक्त कथन किस विद्वान का है ?

(1) राहुल सांकृत्यायन

(2) पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) परशुराम चतुर्वेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. (अ) आदिकाल में एक धारा संस्कृत साहित्य की थी जो एक परम्परा के साथ विकसित हो रही थी।

(ब) आदिकाल की एक धारा का साहित्य प्राकृत एवं अपभ्रंश में लिखा जा रहा था।

(स) आदिकाल की एक धारा हिन्दी भाषा में लिखे जाने वाले साहित्य की थी।

हिन्दी-साहित्य के प्रारम्भिक काल की साहित्यिक पृष्ठभूमि विषयक उपर्युक्त कथनों के आधार पर उत्तर दीजिए।

(1) (ब) और (स) गलत, (अ) सही।

(2) (अ), (ब) और (स) सही।

(3) (अ) और (स) सही, (ब) गलत।

(4) (अ) गलत, (ब) और (स) सही।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. निम्नलिखित ग्रंथों में वीर रस प्रधान काव्य है :

(1) बीसलदेव रास

(2) चंदन बाला रास

(3) भरतेश्वर बाहुबली रास

(4) बुद्धि रासो

(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. "मेरे विचार से तो संध्या-भाषा का सीधा-सादा अर्थ यही है कि वह भाषा जो अपभ्रंश के संध्याकाल या 'समाप्त होने वाले काल' में लिखी गई।"

सिद्धों की संध्या-भाषा विषयक यह कथन किसका है ?

(1) रामचंद्र शुक्ल

(2) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(3) गणपति चंद्र गुप्त

(4) रामकुमार वर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. "नाथ-सम्प्रदाय ने चौदहवीं शताब्दी तक साहित्य और धर्म का शासन किया । इसमें अनुभूति और हठयोग का प्रधान स्थान है।"

नाथ-साहित्य विषयक यह कथन किसका है ?

(1) पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

(2) रामकुमार वर्मा

(3) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

(4) राहुल सांकृत्यायन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. माताप्रसाद गुप्त ने किस रचना को स्वतंत्र रचना न मानते हुए 'पृथ्वीराज रासो' के 'महोबाखण्ड' का एक प्रक्षिप्त अंश माना है ?

(1) परमाल रासो
(2) बुद्धि रासो
(3) विजयपाल रासो
(4) हम्मीर रासो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. निम्नलिखित विद्वानों में से 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता के संबंध में 'अनंद संवत्' की कल्पना किसने की है ?

(1) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(3) डॉ. दशरथ शर्मा

(4) मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या

(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. (अ) रासो ग्रंथ पहले पहल अपभ्रंश में मिलते हैं।

(ब) रासो ग्रंथ अपभ्रंश के अनन्तर हिन्दी में मिलते हैं।

रासो काव्य-परम्परा विषयक उपर्युक्त कथनों के आधार पर उत्तर दीजिए।

(1) (अ) सही, (ब) गलत ।

(2) (अ) गलत, (ब) सही ।

(3) (अ) और (ब) दोनों गलत ।

(4) (अ) और (ब) दोनों सही ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार, कवि शारंगधर की रचना है

(1) खुमाण रासो
(2) हम्मीर रासो
(3) विजयपाल रासो
(4) परमाल रासो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. आपनी किस रचना में विद्यापति ने तिरहुत के राजा कीर्तिसिंह का वर्णन किया है ?

(1) कीर्तिपताका (2) कीर्तिलता

(3) पुरुष परीक्षा (4) पदावली

(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. निम्नलिखित में से 'नागरी प्रचारिणी सभा' से प्रकाशित 'पृथ्वीराज रासो' के संस्करण को प्रामाणिक मानने वाले विद्वान हैं :

(1) मुंशी देवी प्रसाद

(2) मोहनलाल विष्णुलाल पण्ड्या

(3) डॉ. बूलर

(4) गौरीशंकर हीराचन्द ओझा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. 'बीसलदेव रास' का रचना काल निर्धारित करते हुए आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'बारह सौ बहत्तर' पदबंध का अर्थ किया है

(1) संवत् 1270 (2) संवत् 1207

(3) संवत् 1212 (4) संवत् 1272

(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. 'चर्यापद' निम्नलिखित में से किस कवि की कृति मानी जाती है ?

(1) डोम्भिपा (2) शबरपा

(3) सरहपा (4) कुक्कुरिपा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. "ये हिन्दी के प्रथम महाकवि माने जाते हैं और इनका पृथ्वीराज रासो हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है।"

चंदबरदाई के बारे में यह कथन किसका है ?

(1) मिश्र बंधु (2) रामचंद्र शुक्ल

(3) रामकुमार वर्मा (4) पं. हरप्रसाद शास्त्री

(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. "मैं हिन्दुस्तान की तूती हूँ। अगर तुम वास्तव में मुझसे जानना चाहते हो तो हिन्दवी में पूछो ! मैं तुम्हें अनुपम बातें बता सकूँगा।"

यह कथन किसका माना जाता है ?

(1) चन्दबरदाई (2) अमीर खुसरो

(3) गोरखनाथ (4) विद्यापति

(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. निम्नलिखित में से किस सिद्ध कवि को 'सरोजवज्र' और 'राहुलभद्र' नाम से भी जाना जाता है ?

(1) कण्हपा (2) सरहपा

(3) कुक्कुरिपा (4) डोम्भिपा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. गोरखनाथ के विषय में असंगत कथन छाँटिए :

(1) गोरखनाथ की रचनाओं का संकलन डॉ. बड़थ्वाल ने 'गोरखबानी' नाम से संपादित किया।

(2) ये मत्स्येन्द्र नाथ के गुरु थे।

(3) गोरखनाथ की रचनाओं में नीति और साधना की व्यापकता मिलती है।

(4) गोरखनाथ ने हठयोग का उपदेश दिया था।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. (अ) खुसरो ने अपनी रचनाओं में हिन्दी को फ़ारसी के समान सिंहासन पर आसीन किया ।

(ब) खुसरो के हिन्दी काव्य में जीवन की गहराइयों का वर्णन है ।

(स) 'खालिकबारी' उनकी प्रसिद्ध रचना है ।

डॉ. रामकुमार वर्मा के उपर्युक्त कथनों के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(1) (अ), (ब) और (स) तीनों सही ।

(2) (ब) और (स) सही, (अ) गलत ।

(3) (अ) और (स) सही, (ब) गलत ।

(4) (अ) और (ब) सही, (स) गलत ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. 'विद्यापति के पद अधिकतर शृंगार के ही हैं, जिसमें नायिका और नायक राधा-कृष्ण हैं । इन पदों की रचना जयदेव के गीतकाव्य के अनुकरण पर ही शायद की गई हो । इसका माधुर्य अद्भुत है ।'

उपर्युक्त कथन निम्नलिखित में से किस विद्वान् का है ?

(1) रामचन्द्र शुक्ल

(2) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(3) रामकुमार वर्मा

(4) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. भक्ति के कौन से संप्रदाय का केंद्र महाराष्ट्र रहा ?

(1) वारकरी संप्रदाय

(2) सहजिया संप्रदाय

(3) पंचसखा संप्रदाय

(4) शास्तापूजक संप्रदाय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. "अपना भावात्मक रहस्यवाद लेकर सूफ़ी जब भारत आए तब यहाँ उन्हें केवल साधनात्मक-रहस्यवाद योगियों, रसायनियों और तांत्रिकों में मिला ।"

यह मत किसका है ?

(1) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(3) डॉ. नगेन्द्र

(4) डॉ. रामकुमार वर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. मध्यकालीन सांस्कृतिक परिवेश विषयक इन कथनों में से नितांत असंगत कथन है

(1) कल्याणकारी शक्तियों को व्यक्तित्व प्रदान करके उन्हें मानवीय इच्छाओं, उद्देश्यों, विचारों तथा संवेदनाओं से सम्पन्न तथा भावापन्न मान लिया गया ।

(2) कृच्छ साधनाओं के प्रवेश से धर्माचार के नाम पर अनाचार, मिथ्याचार और व्यभिचार तक पलने लगा था ।

(3) इस काल में पूर्ववर्ती धर्म-साधनाएँ पूर्णतः लुप्त होकर उनके स्थान पर नवीन धर्म-साधनाओं की स्थापना हुई ।

(4) इस काल में आत्मरक्षा की वृत्ति ने मनुष्य को देवाराधन की ओर प्रवृत्त किया ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. निर्गुण मतवादी संतों की वाणियों को संपूर्णतः भारतीय मानते हुए बौद्ध धर्म के अंतिम सिद्धों और नाथपंथी योगियों के पदादि से उसका सीधा संबंध किस विद्वान ने माना है ?

(1) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

(2) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(3) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) डॉ. विजयेन्द्र स्नातक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. "भक्ति के आन्दोलन की जो लहर दक्षिण से आई, उसी ने उत्तर भारत की परिस्थिति के अनुरूप हिन्दू-मुसलमान दोनों के लिए एक सामान्य भक्तिमार्ग की भी भावना कुछ लोगों में जगाई ।"

मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन विषयक यह कथन किसका है ?

(1) रामकुमार वर्मा

(2) रामचंद्र शुक्ल

(3) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

(4) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. "निर्गुणपंथ के संतों के संबंध में यह अच्छी तरह समझ रखना चाहिए कि उनमें कोई दार्शनिक व्यवस्था दिखाने का प्रयत्न व्यर्थ है ।"

निर्गुण भक्ति की दार्शनिक पृष्ठभूमि विषयक यह कथन किसका है ?

(1) रामचंद्र शुक्ल

(2) ईश्वरी प्रसाद

(3) जॉर्ज ग्रियर्सन

(4) डॉ. बड़थ्वाल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. निम्बार्क सम्प्रदाय के बारे में गलत कथन है

(1) इसकी सबसे बड़ी गद्दी जयपुर के गलता तीर्थ में है ।

(2) इसमें राधा-कृष्ण की युगलोपासना का विधान है ।

(3) निम्बार्क सम्प्रदाय के एक प्रमुख कवि का नाम श्रीभट्ट है ।

(4) इस संप्रदाय का दार्शनिक सिद्धान्त द्वैताद्वैत है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. वल्लभाचार्य भक्तिकालीन चार प्रमुख सम्प्रदायों में से किसके अनुयायी थे ?

(1) ब्रह्म सम्प्रदाय

(2) रुद्र सम्प्रदाय

(3) सनकादि सम्प्रदाय

(4) श्री सम्प्रदाय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. राधावल्लभ सम्प्रदाय के संबंध में गलत कथन कौन सा है ?

(1) कवियों ने राधा-कृष्ण की कुंज-क्रीड़ा और सुख-विलास का ही मधुर और ललित चित्रण किया है ।

(2) इसमें कर्म और ज्ञान मार्ग की स्पष्टतया प्रतिष्ठा करते हुए प्रेम भक्ति का प्रतिपादन किया गया है ।

(3) इसमें राधा को कृष्ण से भी उच्च स्थान पर रखकर उपास्य माना जाता है ।

(4) इसके साहित्य में मुख्य रूप से नित्य विहार-दर्शन ही सहचरी (जीवात्मा) का उपास्य भाव है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. रामानुजाचार्य किस परम्परा से संबंधित माने जाते हैं ?

(1) ब्रह्म संप्रदाय (2) रुद्र संप्रदाय

(3) सनकादिक संप्रदाय (4) आलवार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. राजस्थान के भक्ति आंदोलन के अन्तर्गत संत पीपा का संबंध किस स्थान से है ?

(1) गागरौन गढ़ (2) चित्तौड़गढ़

(3) सूरतगढ़ (4) बांधवगढ़

(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. हरिदासी संप्रदाय विषयक असंगत कथन है

(1) इस संप्रदाय में निकुंज बिहारी श्रीकृष्ण सर्वोपरि हैं।

(2) इस संप्रदाय में प्रेम को नित्य माना गया है।

(3) यह संप्रदाय राधावल्लभ संप्रदाय की एक शाखा के रूप में स्वीकार किया जाता है।

(4) इसे सखी संप्रदाय के नाम से भी जाना जाता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. रामानंदी गलता गद्दी के संस्थापक माने जाते हैं

(1) अग्रदास

(2) कृष्णदास पयहारी

(3) प्राणचंद चौहान

(4) नाभादास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. सामाजिक समरसता के क्षेत्र में निर्गुण संत कवियों के योगदान का विरोधी कथन कौन सा है ?

(1) सामाजिक स्तर पर व्याप्त पाखंडों और अंधविश्वासों का मंडन करना।

(2) एक वैचारिक क्रांति द्वारा रूढ़िवादिता पर गहरा प्रहार करना।

(3) चरित्र विकास के लिए आचरित सत्य को जीवन निर्माण की कसौटी मानना।

(4) इनकी वाणी का प्रभाव समाज के निम्नवर्ग के साथ ही उच्च वर्ग पर भी पड़ना।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. राजस्थान में भक्ति आंदोलन में योगदान देने वाले निर्गुणपंथियों में किस कवि को समुचित शिक्षा मिली थी और वे काव्यकला की रीति आदि से अच्छी तरह परिचित थे ?

(1) दादूदयाल (2) धन्ना भगत

(3) सुंदरदास (4) रज्जब

(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. सामाजिक समरसता के क्षेत्र में रामानंद के अवदान के विषय में असंगत है

(1) साधना का ऐसा भव्य एवं विशाल मंदिर निर्मित करना जिसके द्वार सबके लिए उन्मुक्त हों।

(2) तीर्थयात्रा, मूर्तिपूजा और उपासना के बाह्य साधनों का समान महत्त्व होना।

(3) भक्ति के प्रचार के साथ-ही-साथ ज्ञानवृत्तिप्रेमियों को ज्ञानमार्ग का उपदेश देना।

(4) सामाजिक हीनता और असमर्थता की भावना को समूल नष्ट करना।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार रैदास के पद किस नाम से संकलित हैं ?

(1) निर्गुण बानी (2) पदावली
(3) पद (4) बानी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. संत दादूदयाल के वे शिष्य कौन थे जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने 'अंगवधू' नाम से अपने गुरु की बानियों को संकलित किया था ?

(1) जगन्नाथदास (2) सुंदरदास
(3) संतदास (4) रज्जब
(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. "सर्व-धर्म-समन्वय के लिए जिस मजबूत आधार की जरूरत होती है, वह वस्तु कबीर के पदों में सर्वत्र पाई जाती है।"

उपर्युक्त कथन किसका है ?

(1) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(2) आचार्य श्यामसुंदरदास
(3) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी
(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. कबीर के बारे में असंगत कथन है :

(1) संदेशों की अभिव्यक्ति के लिए उन्हें काव्य को माध्यम बनाना पड़ा।
(2) उनके काव्य में बुद्धितत्त्व की प्रधानता है, किंतु वह शुष्क या नीरस नहीं है।
(3) शास्त्रीय ज्ञान के अभाव और निरक्षर होने के कारण कबीर की अभिव्यंजना शैली बहुत कमजोर है।
(4) कबीर सामान्य अक्षर ज्ञान से रहित थे।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. (अ) हिंदी के किसी भी प्रेमाख्यान को शुद्ध पौराणिक या शुद्ध ऐतिहासिक नहीं कहा जा सकता।

(ब) प्रेमाख्यानों में प्रयुक्त कथानक रूढ़ियों का मूल स्रोत पूर्ववर्ती भारतीय साहित्य है।

(स) प्रेमाख्यानों के पात्र दो श्रेणियों के हैं – मानवीय और मानवेतर।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

(1) (अ) गलत (ब) और (स) सही।
(2) (अ) और (ब) सही, (स) गलत।
(3) (अ) और (स) सही, (ब) गलत।
(4) (अ), (ब) और (स) सही।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. "चौथे प्रकार का वह प्रेम है जो गुण श्रवण, चित्रदर्शन, स्वप्नदर्शन आदि से बैठे बिठाए उत्पन्न होता है और नायक या नायिका को संयोग के लिए प्रयत्नवान करता है।

जायसी ने 'पद्मावत' में जिस प्रेम का वर्णन किया है, वह चौथे ढंग का है।"

यह कथन किसका है ?

(1) रामकुमार वर्मा
(2) रामचंद्र शुक्ल
(3) विजयेंद्र स्नातक
(4) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. "सब संप्रदायों के कृष्णभक्त भागवत में वर्णित कृष्ण की ब्रजलीला को ही लेकर चले, क्योंकि उन्होंने अपनी प्रेमलक्षणा भक्ति के लिए कृष्ण का मधुर रूप ही पर्याप्त समझा ।"

कृष्णभक्ति साहित्य विषयक यह कथन किसका है ?

(1) रामचंद्र शुक्ल

(2) परशुराम चतुर्वेदी

(3) त्रिलोकीनाथ दीक्षित

(4) रामकुमार वर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. कुतुबन और उनके काव्य के बारे में कौन सा कथन गलत है ?

(1) कुतुबन जौनपुर से संबंधित थे ।

(2) 'मृगावती' काव्य में कथानायक राजकुमार जिस सुंदरी को राक्षस से बचाता है उससे विवाह के प्रस्ताव को ठुकरा देता है ।

(3) कथा के अंत में नायक आखेट के समय हाथी से गिर कर मर जाता है ।

(4) कुतुबन चिश्ती वंश के शेख बुरहान के शिष्य थे ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. मंझन कृत 'मधुमालती' किस शैली में लिखी गई रचना है ?

(1) दोहा और चौपाई शैली

(2) सवैया शैली

(3) पद शैली

(4) कवित्त शैली

(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. "इनकी कविता में भक्ति और शृंगार दोनों का सम्मिलन स्वाभाविक है । परंतु मीरां का शृंगार लौकिक नहीं अलौकिक है । उसमें न तो विद्यापति की-सी अश्लीलता है, न सूर की-सी उच्छृंखलता और न बिहारी की-सी मादकता ।"

यह कथन किसका है ?

(1) परशुराम चतुर्वेदी

(2) मोतीलाल मेनारिया

(3) हीरालाल माहेश्वरी

(4) रामचंद्र शुक्ल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार, सूरदास ने शक्ति, शील और सौंदर्य में से अपने को कहाँ तक सीमित रखा है ?

(1) शील और सौंदर्य तक

(2) शक्ति और शील तक

(3) शक्ति और सौंदर्य तक

(4) केवल सौंदर्य तक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. नन्ददास कृत 'रसमंजरी' किस प्रकार की रचना है ?

(1) भ्रमरगीत

(2) कथा काव्य

(3) कोश ग्रन्थ

(4) नायक-नायिका भेद संबंधी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. (अ) मुगलकालीन समाज के जीवन का एक पक्ष रीतिकाव्य के सौंदर्य और विलासपूर्ण चित्रण को प्रेरणा देने वाला था ।

(ब) इसका दूसरा पक्ष जन साधारण का है । नैतिकता की दृष्टि से जन साधारण का चरित्र इन विलासी दरबारियों की अपेक्षा कहीं अच्छा था, उस पर भक्तियुग का प्रभाव था ।

इन कथनों के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(1) (अ) सही, (ब) गलत ।

(2) (अ) गलत, (ब) सही ।

(3) (अ) और (ब) दोनों गलत ।

(4) (अ) और (ब) दोनों सही ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. "रामभक्ति काव्यधारा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसमें सब प्रकार की रचनाएँ हुईं, उसके द्वारा कई प्रकार की रचना पद्धतियों को उत्तेजना मिली ।"

यह कथन किसका है ?

(1) माताप्रसाद गुप्त (2) रामचंद्र शुक्ल

(3) सुधाकर पाण्डेय (4) रायकृष्ण दास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार, गोस्वामी तुलसीदास ने कौन सी रचना सूरदास के अनुकरण पर की है ?

(1) रामलला नहछू (2) कवितावली

(3) गीतावली (4) विनयपत्रिका

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. रीतिकाल की सामाजिक पृष्ठभूमि से संबंधित असंगत विकल्प बताइये

(1) इस काल में सामंतवाद का बोलबाला था ।

(2) सामाजिक व्यवस्था का केन्द्र बिन्दु श्रमजीवी थे ।

(3) सबका कर्तव्य कर्म अपने से ऊपर वालों को प्रसन्न करना था ।

(4) यह काल सामाजिक दृष्टि से घोर अध:पतन का युग कहा जाना चाहिए ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. रीतिकाल के शृंगारी कवियों के सबसे आकर्षक विषयों में सम्मिलित नहीं है

(1) तत्कालीन समाज का परिष्करण और नियोजन

(2) षड्ऋतु वर्णन

(3) नखशिख वर्णन

(4) नायक–नायिका भेद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. रीतिकाल की पृष्ठभूमि के बारे में गलत कथन है

(1) इस काल में वैराग्यपूर्ण साधना का समादर न रहा ।

(2) उच्च–वर्ग के लोग कला और कविता के संरक्षक थे ।

(3) इस काव्य में ऐहिक जीवन के सुखभोग पर बल दिया गया ।

(4) रीतिकाल विपन्नता के साथ विलासिता का काल है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. निम्न में से कौन सा पिंगल निरूपक ग्रंथ नहीं है ?

(1) छंदमाल (2) वृत्त विचार

(3) पिंगल प्रकाश (4) जगद्विनोद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार हिंदी रीति ग्रंथों की अखंड परम्परा किस कवि से प्रारंभ हुई ?

(1) चिंतामणि त्रिपाठी (2) कुलपति मिश्र

(3) सुखदेव मिश्र (4) केशवदास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. इनमें से डॉ. नगेन्द्र ने किसे सर्वांग निरूपक आचार्य नहीं माना है ?

(1) ग्वाल (2) कृष्णभट्ट देव ऋषि

(3) चिंतामणि (4) भिखारीदास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. केशवदास का विविध काव्यांग निरूपक ग्रन्थ कौन सा है, जो अधिकांशत: दण्डी कृत 'काव्यादर्श' के अनुकरण पर रचित है ?

(1) कविप्रिया (2) विज्ञान गीता

(3) रतनबावनी (4) रसिक प्रिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. जसवंतसिंह का 'भाषाभूषण' ग्रन्थ किस ग्रन्थ की छाया पर बनाया गया है ?

(1) काव्यादर्श – दण्डी

(2) चन्द्रालोक – जयदेव

(3) कुवलयानन्द – अप्पय दीक्षित

(4) काव्य प्रकाश – मम्मट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. हिन्दी के रीतिबद्ध कवियों (आचार्यों) के काव्य के बारे में असंगत कथन है –

(1) ये आचार्य संस्कृत काव्य-शास्त्र का अर्थ ही प्रस्तुत करना चाहते थे ।

(2) इनका प्रमुख उद्देश्य था शृंगार रस-परिपूर्ण अथवा स्तुतिपरक काव्य लिखकर अपने आश्रयदाताओं से प्रचुर आश्रय एवं पुरस्कार प्राप्त करना ।

(3) इनका गौण उद्देश्य था अल्प सुकुमार बुद्धि आश्रयदाताओं, उनके कुमारों एवं पार्षदों को सरल रूप में काव्य-शास्त्र संबंधी शिक्षा देना ।

(4) इनका उद्देश्य हिन्दी साहित्य संबंधी नवीन काव्य-शास्त्र का निर्माण करना था ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. रीतिकालीन सर्वांग निरूपक काव्य के मूल में किसका प्रभाव व्यापक और अधिक सक्रिय रहा ?

(1) कुन्तक और वामन

(2) मम्मट और विश्वनाथ

(3) भामह और विश्वनाथ

(4) भामह और मम्मट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. "हिन्दी में रीति परम्परा का आरंभ तो उसके (हिन्दी के) जन्मकाल से ही मानना पड़ेगा" – रीति काव्य-परम्परा के संबंध में केशवदास को इसका पहला मार्ग-स्तम्भ मानते हुए उक्त कथन किसका है ?

(1) रत्नाकर पाण्डेय (2) विजयेंद्र स्नातक

(3) रामचंद्र शुक्ल (4) डॉ. नगेन्द्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न